उर्द की खेती

उर्द की प्रजातियाँ

शेखर-3	आजाद उर्द-3
पंत उर्द-31	नरेंद्र उर्द-1
डब्लू. बी.-108	पंत यू.-30
आई. पी. यू.-94	पी. डी. यू-1

खेत की तैयारी

- नम एवं गर्म मौसम
- वृद्धि के लिये 25-30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान उपयुक्त
- समुचित जल निकास वाली बलुई दोमट तथा दोमट भूमि उपयुक्त

- 7-8 पी.एच. मान वाली भूमि उपयुक्त
- पहली जुताई हैरो से करने के बाद दो-तीन जुताई कल्टीवेटर से
- आख़िरी जुताई में पाटा लगाकर खेत को समतल बना लेना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बुवाई

- बुवाई जुलाई के प्रथम सप्ताह में
- बीज की मात्रा 12-15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर
- 2 ग्राम थीरम से एक किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार

- राईजोबियम कल्चर के एक पैकेट से 10 किलोग्राम बीज का उपचार
- बुवाई हल के पीछे लाइन में करें
- लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेंटीमीटर

खाद एवं उर्वरक

- 15-20 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर
- 40 किलोग्राम फास्फोरस प्रति हेक्टेयर
- 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर
- 200 किलोग्राम जिप्सम प्रति हेक्टेयर

- उर्वरको की पूरी मात्रा बुवाई के समय कूंडो में 2-3 सेंटीमीटर गहराई में दे
- दाना बनते समय 2% यूरिया का छिड़काव से उपज में वृद्धि

सिचाई

- वर्षा कम होने पर फलियां बनते समय एक सिंचाई करना आवश्यक

खरपतवार नियंत्रण

- पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के 30 दिन बाद
- दूसरी निराई-गुड़ाई 40-50 दिन बाद

- पेन्डामेथलीन 30 ई.सी. की 3.3 लीटर मात्रा अथवा एलाक्लोर 50 ई. सी. की 3 लीटर मात्रा बुवाई के बाद 2-3 दिन के अंदर भूमि पर छिड़काव

रोग नियंत्रण

पीला चित्तवर्ण

- पत्ती पीली पड़ जाती है
- विषाणु सफ़ेद मक्खी द्वारा फैलता है

रोग नियंत्रण

- डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 लीटर मात्रा या मिथाइल ओडिमेटान 25 ई. सी. की 1 लीटर मात्रा 600-700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें

उर्द का पत्र दाग रोग

- पत्तियों पर गोलाई लिए हुए भूरे रंग के कोणीय धब्बे
- बीच का भाग हल्का भूरा तथा किनारा लाल बैगनी रंग का

रोग नियंत्रण

- 3 किलोग्राम कॉपर आक्सीक्लोराइड प्रति हेक्टेयर

कीट नियंत्रण

- थ्रिप्स
- हरे फुदके
- कमला कीट
- फली बेधक

कमला कीट

- पत्तियों को खाता है

नियंत्रण

- क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर

फली बेधक कीट

- सूड़ियां फलियों में छेद करके उनके अंदर दानो को खाती है

नियंत्रण

- क्यूनलफॉस 25 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर

कटाई एवं उपज

- फलियां पूरी तरह से पकने पर कटाई करें
- खरीफ में उपज 12-15 कुंतल प्रति हेक्टेयर